मैं हूँ नज़र-अम-रहद

गीता धर्मराजन

चित्रांकनः सुजाता सिंह

यह किताब

....

की है।

dFkk d fo"k; e

कथा एक लाभ निरपेक्ष संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में हुई। शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में कथा का अनूठा योगदान है। कथा झुग्गी-झोपड़ी, बस्तियों और सरकारी स्कूलों में काम करती है ताकि हर बच्चा मज़े के लिए और अच्छी तरह पढ़ सके। महिलाओं और अध्यापिकाओं के द्वारा कथा बच्चों में उनकी प्रतिभा को उजागर करने में मदद करती है।

हमारी किताबें, वर्कशॉप और शिक्षण केन्द्र, कहानी के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ती हैं। कथा का अनुवाद के क्षेत्र में किया हुआ काम भारतीय प्रकाषन के इतिहास में अनूठा माना जाता है। इसे *इकोनोमिक टाइम्स* ने इन शब्दों में सराहा है, "A unique and special moment in Indian publishing history ..."

कथा की पुस्तकों को विश्व स्तर पर ख्याति मिली है। अंतर्राष्ट्रीय ज्युरी द्वारा प्रतिष्ठित एस्ट्रिड लिंडग्रिन पुरस्कार के लिए भी कथा का नामाँकन किया गया है। बाल साहित्य के क्षेत्र में यह पुरस्कार विश्व में सबसे बड़ा माना जाता है।

कथा नवीन एवं अनुभवी लेखकों, अनुवादकों और चित्रकारों के साथ काम करती है।

क्या आपको बच्चों के लिए लिखना, चित्र बनाना, अनुवाद करना अच्छा लगता है? तो अपनी प्रतिलिपि इस ईमेल आई डी पर भेजें: editors@katha.org, और बनें कथा परिवार का हिस्सा।

"[Katha] ... an educational jewel in India's crown."
— **Naoyuki Shinohara, Deputy Managing Director, International Monetary Fund**

"Katha stands as an exemplar for all the creative projects around the world that grapple with ordinary and dramatic misery in cities." — **Charles Landry, The Art of City Making**

"Katha has a real soft corner for kids. Which is why it … create[s] such gorgeous picture books for children."
— **Time Out**

"Katha's work is driven by the idea that children can bring change to their communities that is sustainable and real, just as the children do in [their books]." — **Papertigers**

Copyright © KATHA

मैं हूँ नज़र-अम-रहद

गीता धर्मराजन

चित्रांकनः सुजाता सिंह

KATHA

Copyright © KATHA

क्या तुम जानते हो कि पेड़ भी कहानियाँ सुनाते हैं,?

एक ज़माने में कहानी सुनाने वाले कई पेड़ थे। पर फिर एक अजीब घटना घटी। सभी पेड़–दोस्तों की कहानियाँ चोरी हो गईं। केवल मैं ही बचा – कहानी सुनाने वाला इकलौता पेड़।

मेरे मित्र बड़ी हवा, बादल और वर्षा मुझे दूर देश की घटनाएँ बताते हैं। और मैं अपनी जगह पर खड़े–खड़े ही लोगों को ये कहानियाँ सुनाता हूँ।

Copyright © KATHA

एक दिन, जब मैं रोज़ की तरह कहानी सुना रहा था, मैंने भीड़ में एक नया चेहरा देखा। बड़ी–बड़ी आँखे। घुंघराले, लंबे बाल। भूखा–सा, मुँह।

अरे! यह तो तंत्रपुरी का दुष्ट जादूगर था! उसी ने तो सारे पेड़ों से उनकी कहानियाँ चुरा ली थीं।

और अब वह मेरी कहानियाँ भी ले जाना चाहता था।

Copyright © KATHA

ज्यों ही मैंने कहानी शुरू की, मेरे मुँह से निकले सारे शब्द उड़–उड़कर जादूगर की ओर जाने लगे। और उसने उन्हें हवा में से पकड़ कर अपनी मुट्ठी में बंद कर लिया। और बड़बड़ाया, yckdk&nkckdk&ifyk&pe! फिर जब उसने मुट्ठी खोली, तो मेरी कहानी इमली का बीज बन गई थी। अब जादूगर ने उस बीज को अपने थैले में डाल लिया।

तभी मुझे एक विचार आया! बड़ी हवा को बुलाकर मैंने उसके कान में अपनी योजना बताई और उस ने भीड़ में खड़े हमारे सभी दोस्तों को !

Copyright © KATHA

मैंने अपनी सबसे अच्छी कहानी कहनी शुरू की – जादूगर

के जादुई आइने वाली कहानी । पर मैंने कहानी को थोड़ा–सा बदल दिया था। कहानी के जादूगर को मैने तंत्रपुरी के जादूगर का रूप दे दिया। वही बड़ी–बड़ी ऑखें। घुंघराले, लंबे बाल। और भूखा मुँह।

फिर क्या था, जैसा मैंने सोचा था वैसा ही हुआ। जादूगर को मेरी कहानी बहुत पसंद आई। आँखें गोल–गोल कर के वह बड़बड़ाया, ^yckdk&nkckdk&ifyk&pe!^

Copyright © KATHA

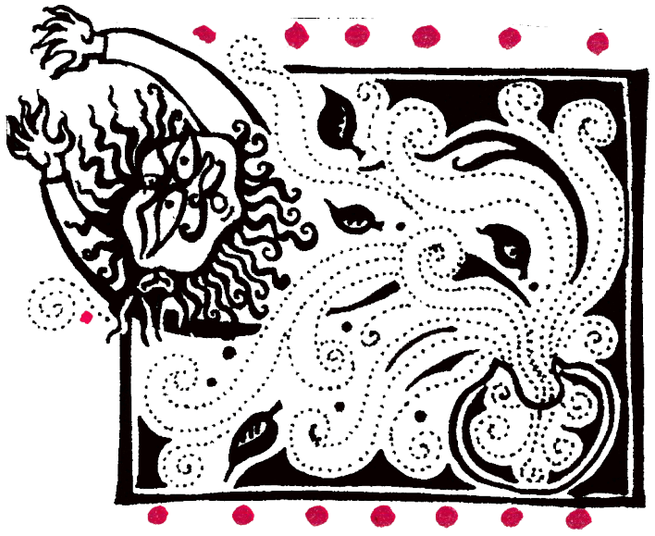

देखते ही देखते, मेरी कहानी इमली का बीज बन गई। और खुद जादूगर भी।

जानते हो न क्यों? क्योंकि कहानी का जादूगर और तंत्रपुरी का जादूगर एक ही तो थे।

बस फिर क्या था। वहाँ खड़े लोगों ने जल्दी–जल्दी एक गड्ढ़ा खोदा और इमली के बीज को उसमें बो दिया।

Copyright © KATHA

कभी अगर तुम हमारे गाँव आओ तो बस–स्टॉप वाले इमली के बड़े पेड़ को देखना न भूलना।

Copyright © KATHA

हमारे गाँव का सबसे बढ़िया पेड़। उस पेड़ के नीचे बैठकर लोग कहानियाँ सुनतें हैं। और जानते हो, अब इमली का पेड़ बना तंत्रपुरी का जादूगर मेरा सबसे पक्का दोस्त हैं।

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

xhrk /kejktu बच्चों के लिए कहानियाँ लिखना पसंद करती हैं। वह *टारगेट* पत्रिका और *पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय* की पत्रिका *पेन्सिलवेनिया गज़ेट* की संपादक भी रह चुकी हैं। साहित्य एवं शिक्षा में किए गए इनके अद्वितीय योगदान के लिए इन्हें सन् 2012 में राष्ट्रीय सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

lqtkrk flag ने लंदन के *'विंबलडन स्कूल ऑफ आर्ट* और डिज़ाइन' से इलस्ट्रेशन करना सीखा है। उन्होंने डिज़ाइनर और इलस्ट्रेटर के रूप में कई प्रसिद्ध पत्रिकाओं के लिए काम किया है जैसे कि *टारगेट, इंडिया टुडे, बिजनेस टुडे, कास्मोपॉलिटन, टीन्स टुडे, नमस्ते, पेंगुइन बुक्स इंडिया, कथा, रत्ना सागर,* और *काली फॉर वीमेन*। इनके काम की कई प्रदर्शनियाँ भारत और विदेश में हुई हैं।

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

एक जादूगर अपने मंत्र से पेड़ों की कहानियों को बीज बना देता था। सिर्फ एक पेड़ ही रह गया। क्या वह अपनी चतुराई से अपनी कहानी को बचा पाएगा? आओ इस दिलचस्प कथा द्वारा जानते हैं।

Copyright © KATHA